



जौ की प्रमाणित बीज किरमों

RD-2035, RD-2052, PL-426, DWRB-137, BH-393



खेत की तैयारी :- दो गहरी जुताई करके सुहागा लगाकर खेत को बीजाई के लिए तैयार करें।

बुवाई का समय :- जौ की बिजाई रबी मौसम में की जाती है। सिंचित क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक बिजाई करना सबसे उपयुक्त रहता है, जबकि बारानी क्षेत्रों में 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक बिजाई कर लेनी चाहिए। यदि किसी कारण से बिजाई में देरी हो जाए तो नवम्बर के अंत तक बिजाई की जा सकती है।

बीज की मात्रा :- 35-40 किग्रा प्रति एकड़ (भूमि के प्रकार के अनुसार)

बुवाई की विधि:-

बीज उपचार :- बीज को हमेशा उपचारित करके ही बोना चाहिए। बीज को बुवाई से पहले मैकोजेब 75% wp 2.5 ग्राम या टेबुकोनाजोल 2% DS से 1-2 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करें।

दूरी :- जौ की बिजाई में कतार से कतार की दूरी 22.5 सेंटीमीटर रखें।

गहराई :- समय पर बुवाई एवं ज्यादा गहरी न करें। पछेती बुवाई होने पर गहराई 3-3.5 सेंटीमीटर ही रखें।

उर्वरकों की मात्रा :-

नत्रजन :- 30-35 किग्रा प्रति एकड़।

फास्फोरस :- 15-20 किग्रा प्रति एकड़।

जिंक :- जिंक 21% (जिंक सल्फेट हेप्टाहाइड्रेट) 5 किग्रा प्रति एकड़ या
जिंक 33% (जिंक मोनोहाइड्रेट 3 किग्रा प्रति एकड़।

विशेष :- नत्रजन की मात्रा को दो बार में देवें व रेतीली भूमि में नत्रजन की मात्रा बढ़ा है।

सिंचाई :- जौ की फसल में कुल 2-3 सिंचाई की आवश्यकता होती है, पहली 25-30 दिन(CRP अवस्था), दूसरी बालियां निकलते समय, तीसरी दानों के भराव के समय।

खरपतवार नियंत्रण :- बाथू बथुआ, खरबथुआ, पालक घास आदि चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण हेतु मेटसल्फ्यूरान मिथाइल (एल्टिग्रिप 8 ग्राम 20 D.P.) + 200 ML SURFACTANT या एफीनिटी 40 D.F. 20 ग्राम को 200 लीटर पानी में मिला कर 35 दिन बाद सिंचाई करके छिड़कें। दोनों तरह के खरपतवार हों तो ATLANTIS 3% METSULPHURAN METHYLE 160 GM/ACRE का प्रयोग करें।

प्रमुख कीट रोग :- मोयला कीट एवं माइट्स दिखाई देने पर डाईमिथोएट 30 ई.सी. (रोगोर) 2.5 मिली प्रति लीटर पानी अथवा इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL का 40 मि.ली. प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

रोग :- काग्या (कण्डवा रोग) हेतु रोगग्रस्त पौधे दिखाई देने पर रोग ग्रसित पौधे उखाड़कर फेंक देवें।

प्रमुख रोग व नियंत्रण :- झुलसा, सफेद रतुआ, चूर्णी फफूंदी जैसे रोगों की रोकथाम के लिए मैटालेक्सिल 8% + मैकोजेब 64% Wp को 250 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से स्प्रे करें।

फसल की कटाई :- बालियां पकने एवं फसल के सुनहरी पीले रंग की होने पर कटाई कर लेंगे।

चेतावनी :- उपरोक्त सुझाई गई विधियां कम्पनी के अनुसंधान केन्द्रों पर लिए गए परीक्षणों पर आधारित है इसमें स्थान व पर्यावरण के अनुसार बदलाव संभव है। अच्छी फसल की प्राप्ति के सम्बन्ध में मार्गदर्शन के लिए निकटतम राज्य कृषि विश्वविद्यालय / कृषि विज्ञान केन्द्र / निकटवर्ती कृषि अधिकारी से सलाह लें।

निर्माता एवं विपणनकर्ता :

जय शंकर सीड्स प्रा. लि.

E-176, फेज फर्स्ट, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया
श्रीगंगानगर - 335002 (राजस्थान)